MA HINDI

by Cde Anu

Submission date: 19-May-2025 08:55PM (UTC+0530)
Submission ID: 2679861492
File name: M.A._Hindi_compressed.pdf (253.25K)
Word count: 928
Character count: 3588

SEMESTER-I, PAPER-I

अनुक्रमणिका

क्र.सं.		पृष्ठ संख्या
1.	साहित्येतिहास दर्शन और हिन्दी साहित्य का इतिहास	1
2.	हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा : आधारभूत सामग्री	3
3.	हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण	9
4.	आदिकालीन साहित्य का सामाजिक, राजनैतिक तथा सांस्कृतिक पृठभूमि	12
5.	आदकाल का नामकरण: विदि मत	23
6.	आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ	24
7.	आदिकाल के प्रमुख कवि और उनके रासो काव्य	40
8.	आदिकाल के रासों काव्यों की विशेषताएँ तथा आदिकाल के अन्य कवि	45
9.	भक्ति आन्दोलन का राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूम	50
10.	भक्ति संप्रदाय और भक्ति साहित्य	55
11.	निर्गुण संतकवि और उनका काव्य	60
12.	सूफी मत, प्रमुख कवि और उनका काव्य	70
13.	कृष्ण भक्ति, अष्टछाप के कवि और उनके काव्य	81
14.	रामभक्ति शाखा - प्रमुख कवि और उनका काव्य	101
15.	रीतिकाल का साहित्य - काव्य शास्त्र दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा	114
16.	रीतिकालीन साहित्य की सामाजिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	120
17.	रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध काव्य धाराएँ तथा अन्य प्रवृत्तियाँ	128

Semister - 1

Paper - II

भारतीय काव्य शास्त

I. भारतीय साहित्य सिद्धांत

1.1 प्रस्तावना

1.2 साहित्य को विभिन्न अर्थ

1.3 साहित्य की परिभाषाएँ

1.4 भारतीय काव्य संप्रदायों का विकास

1.5 काव्य प्रयोजन

1.6 भारतीय काव्य लक्षणों का विकास

I.अ रत्य संप्रदाय

1. रस संप्रदाय का इतिहास - रस की अवधारणा
2. रस निष्पत्ति
3. साधारणीकरण

I.आ ध्वनि संप्रदाय

1. प्रस्तावना
2. ध्वनि संप्रदाय
3. ध्वनि
4. ध्वनि की परिभाषा
5. ध्वनि भेद
6. स्फोट सिद्धांत
7. ध्वनि और गुण
8. ध्वनि विरोधी अभिमत
9. ध्वनि संप्रदाय का महत्व

I.इ औचित्य संप्रदाय

II.अ अलंकार संप्रदाय

1. प्रस्तावना
2. अलंकार संप्रदाय की परम्परा
3. अलंकार की परिभाषा
4. अलंकार और अलंकार्य
5. अलंकारों की वर्गीकरण
6. अलंकारों का महत्व
7. अलंकार और रस

II.आ रीति संप्रदाय

II.इ वक्रोक्ति सिद्धांत

Old and Medieval Poetry, Semester-1, Paper-III

Content

		Page No.
1.	**'चन्द्रगुप्त' नाटक**	
	'चन्द्रगुप्त' नाटक	1–121.
	'चन्द्रगुप्त' नाटक में चन्द्रगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।	13–15
2.	चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।	15–18
3.	सिंहरण का चरित्र-चित्रण कीजिए।	18–20
4.	पर्वतेश्वर का चरित्र-चित्रण कीजिए।	21–22
5.	आरभीक का चरित्र – चित्रण कीजिए।	22–24
6.	राक्षस का चरित्र – चित्रण कीजिए।	24–26
7.	अलका का चरित्र – चित्रण कीजिए।	26–29
8.	सुवासिनीका चरित्र –चित्रण कीजिए।	29–30
9.	मालविका का चरित्र – चित्रण कीजिए।	30–32
10.	'चन्द्रगुप्त' नाटक की एतिहासिक का विवेचन कीजिए।	32–34
11.	नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'चन्द्रगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए।	35–39
2.	**निर्मला**	
1.	'निर्मला' उपन्यास में निर्मला का चरित्र – चित्रण कीजिए।	40–44
2.	उपन्यास के तत्त्वों पर 'निर्मला' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।	45–50
3.	'निर्मला' उपन्यास में तोताराम का चरित्र – चित्रण कीजिए।	50–51
3.	**चिन्तामणि**	
1.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबन्ध शैली पर लेख लिखिए।	52–55
2.	'भाव या मनोविकार' निबन्ध का सारांश लिखिए।	56–61
3.	'उत्साह' निबन्ध का सारांश लिखिए।	61–65
4.	'करुणा' निबन्ध का सारांश लिखिए।	66–69
	(अथवा)	
	'करुणा' निबन्ध में शुक्ल जी के भावों को स्पष्ट कीजिए।	
4.	**गद्य विविधा**	**70–71**
1.	महादेवी वर्मा कृत 'सोना' रेखाचित्र का सारांश लिखिए।	72–74

Hindi Prose
Semester-I, Paper-IV

CONTENTS

	Pg. No
1.'सेवासदन' उपन्यास	1.1-1.15
2.**'सेवा सदन' उपन्यास में 'गजाधर' के**	2.1-2.4
3. 'विट्ठलदास' का चरित्र - चित्रण कीजिए।	3.1-3.3
4. पद्मसिंह के चरित्र-चित्रण पर प्रका डालिए	4.1-4.4
5. सदन के चरित्र पर उसकी निर्बलताओं पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार प्रकट कीजिये।	5.1-5.3
6. 'सेवासदन' उपन्यास की समस्याओं एवं समाधान प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।	6.1-6.12
1. 'रंगभूमि' उपन्यास	1.1-1.4
2.'रंगभूमि' उपन्यास की कथावस्तु की प्रमुख विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।	2.1-2.4
3.'रंगभूमि' में व्यक्त कथा-शिल्प तथा कला-सौष्ठव का मूल्यांकन कीजिए।	3.1-3.4
4.'रंगभूमि' में व्यक्त तत्कालीन भारतीय समाज का चित्रण प्रस्तुत कीजिए।	4.1-4.3
5.आधुनिक परिप्रेक्ष्य में 'रंगभूमि' उपन्यास में दर्शित समस्याओं का मूल्यांकन कीजिए।	5.1-5.3
6. 'रंगभूमि' उपन्यास में व्यक्त 'आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद' का मूल्यांकन कीजिए।	6.1-6.3
7. 'रंगभूमि' के 'सूरदास' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।	7.1-7.1
8. प्रेमचन्द की उपन्यास-कला का मूल्यांकन कीजिए।	8.1-8.5
9. प्रेमचन्द के कृतित्व एवं उपन्यासकार के रूप में उनका मूल्यांकन कीजिये।	9.1-9.6
1. पुस्तक का नाम 'गोदान'	1.1-1.4
2. 'गोदान' उपन्यास में 'होरी' का चरित्र चित्रण कीजिए।	2.1-2.7
3. 'गोदान' उपन्यास में 'धनिया' का चरित्र-चित्रण कीजिए।	3.1-3.6
4. गोदान उपन्यास में गोबर का चरित्र चित्रण कीजिए।	4.1-4.6
5. गोदान उपन्यास के डॉ. मेहता का चरित्र चित्रण कीजिए।	5.1-5.4
6. रायसाहब का चरित्र-चित्रण कीजिए।	6.1-6.4
7. 'गोदान' उपन्यास में 'मिस मालती' का चरित्र - चित्रण कीजिए।	7.1-7.4

MA HINDI

ORIGINALITY REPORT

17%	17%	0%	1%
SIMILARITY INDEX	INTERNET SOURCES	PUBLICATIONS	STUDENT PAPERS

PRIMARY SOURCES

1	www.dailypioneer.com Internet Source	10%
2	www.jobupdate.in Internet Source	3%
3	nlc.ac.in Internet Source	2%
4	scholarhub.ui.ac.id Internet Source	1%
5	step-p.dyndns.org Internet Source	1%

Exclude quotes	Off	Exclude matches	Off
Exclude bibliography	Off		